आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 30.07.2025 समय : 1850

<><><><><><><><>

- राज्यसभा में केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा कि दो हजार चार से चौदह के बीच आतंकवाद पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए थे।
- विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सभी सीमाएं पार की दी गई थी।
- स्पाइस प्रवह पहल के तहत मसाला फसलों की खेती के प्रति जागरूक करने के लिए कल वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
- कार निकोबार के विभिन्न गांवों में जैविक कीटनाशकों के प्रति किसानों को जागरूक किया गया।

<><><><><><><><>

राज्यसभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जे.पी नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार संवेदनशील है। पहलगाम की घटना बेहद निंदनीय है। पहलगाम हमला ह्रदय विदारक है। घटना वाले दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सूचना मिलते ही शाम पांच बजे श्रीनगर पहुंच गए। पी.एम मोदी भी विदेश दौरा छोड़कर तुरंत वापस आ गए। श्री नड्डा ने कहा कि दो हजार चार से चौदह का समय देखिए, उस वक्त की सरकार ने कई आतंकी घटनाओं पर कोई ऐक्शन नहीं लिया। दो हजार पांच में श्रमजीवी ब्लास्ट हुआ, कोई एक्शन नहीं हुआ। उस समय की सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। पहलगाम पर सवाल उठाने वाले पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखें।

<><><><><><><><>

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर ने सेना के प्रदर्शन और क्षमताओं की सराहना की और कहा कि इसके परिणामों से देश गौरवान्वित हुआ है। विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीछे की मंशा जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंचाना था, जो अनुच्छेद–तीन सौ सत्तर हटने के बाद सामान्य स्थिति और समृद्धि की ओर लौट रही थी। डॉक्टर जयशंकर ने कहा इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था और दुनियाभर से इस मामले में एकजुटता तथा सहानुभूति व्यक्त की गई। इस तरह का हमला बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि इसने सभी सीमाएं पार कर दी थी और ऐसे में दोषियों तथा उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और जवाबदेही आवश्यक थी।

<><><><><><><><>

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि संचार साथी पहल की मदद से एक करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं। लोकसभा में पूरक प्रश्न के जवाब में श्री सिंधिया ने बताया कि पैंतीस लाख से अधिक लोगों ने इस पोर्टल पर मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। इस ऐप और पोर्टल के आधार पर इतनी सफलता हमें मिली है कि मोबाइल नंबर करीब–करीब उनतीस लाख हम लोगों ने डिस्कनेक्ट किए हैं। मोबाइल हैंडसेट करीब साढे पांच लाख हम लोगों ने ब्लॉक किए हैं। बल्क एस.एम.एस स्टैंडर्डस बीस हजार हम लोगों ने ब्लॉक किए हैं और व्हाट्सएप अकाउंट्स करीब–करीब चौबीस लाख हम लोगों ने ब्लॉक किए हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह आयुर्विज्ञान संस्थान में एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अंतिम रूप से पात्र उम्मीदवारों की सूची कारबाईंस कोव में कॉलेज नोटिस बोर्ड के साथ–साथ वेबसाइट aniimscollegeadmission.andaman.gov.in पर भी कल लगा दी जाएगी। ई.डब्ल्यू.एस कोटा सहित राज्य कोटे की संतानब्बे सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग का पहला दौर पाँच और छः अगस्त को निर्धारित किया गया है। यदि किसी अभ्यार्थी को इस अंतिम सूची पर कोई आपत्ति है तो कारबाईंस कोव के कार्यालय में एक अगस्त शाम चार बजे तक दर्ज करा सकते हैं।

<><><><><><><><>

कृषि विभाग, द्वीप समूह के विभिन्न स्थानों पर स्पाइस प्रवाह पहल के तहत मसालों का एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम इकत्तीस जुलाई से शुरू कर रहा है, जिसमें किसानों, पंचायती राज संस्थानों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी होगी। पौधारोपण कार्यक्रम के पहले चरण में चालीस हेक्टेयर क्षेत्र में मसाला फसलों की खेती की जाएगी जिनमें से अट्ठहत्तर हजार एक सौ साठ मसाला पौधे वितरित किए जाएँगे और खेतों

में रोपे जाएँगे। जबकि दूसरे चरण में अगले तीन महीनों में विभागीय खेतों पर पच्चीस हेक्टेयर क्षेत्र में सैंतालीस हजार चार सौ पौधे रोपे जाएँगे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सिपीघाट स्थित जैविक बागवानी फार्म में वृक्षारोपण के साथ किया जाएगा।

<><><><><><><>

कार निकोबार के विभिन्न गाँवों के कुछ क्षेत्रों में नारियल, फलों और सब्जियों में मीली बग और रूगोज़ स्पाइरलिंग व्हाइट फ़्लाई पाई गई है। कार निकोबार के सभी गाँवों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें किसानों को विशेष रूप से लक्षणों की पहचान करने और प्रबंधन विधियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पर्यावरण के अनुकूल तरीकों और जैविक नियंत्रण उपायों के माध्यम से इस समस्या का समाधान करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों रणनीतियाँ विकसित की हैं। पानी का छिड़काव, उचित अंतराल, नियमित निरीक्षण, छंटाई और उचित स्वच्छता बनाए रखने जैसी कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और कीटों और बीमारियों के आगे प्रसार को कम करने के लिए जैविक कीटनाशकों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पेरका और मलाका गाँवों में, कृषि विज्ञान केंद्र और विभागीय अधिकारियों की एक टीम ने नीम आधारित कीटनाशकों का छिड़काव किया है। कार निकोबार के ग्राम प्रधानों को कीट और बीमारी के संक्रमण के बारे में सूचित कर दिया गया है और कृषि विज्ञान केंद्र, कार निकोबार और कृषि विभाग को देने का आग्रह किया गया है।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बिशप जॉन रिचर्डसन अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ग्रेस की देखरेख में एक मेडिकल अल्ट्रासाउंड जांच की गई। उन्होंने इक्कीस प्रसव पूर्व माताओं की जांच की। इस अवसर पर एम.एल.ओ प्रभारी डॉ. जूलियट जेम्स के साथ–साथ पी.एच.सी स्टाफ भी उपस्थित रहीं।

<><><><><><><>

आगामी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियों की समीक्षा के लिए आज दक्षिण अंडमान में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता श्री अर्जुन शर्मा, आई ए एस, उपायुक्त (दक्षिण अंडमान) ने की। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आठ अगस्त दो हजार पच्चीस को आयोजित किया जाएगा। जो बच्चे इस दिन अनुपस्थित रहेंगे, उनके लिए मॉप–अप डे सोलह अगस्त दो हजार पच्चीस को निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के इस प्रमुख जनस्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य एक से उन्नीस वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों को अल्बेन्डाजोल टैबलेट प्रदान कर आंतों के कृमि संक्रमण से मुक्ति दिलाना है। ये दवाएं स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से वितरित की जाएंगी। अंत में जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों और संरक्षकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियान में अपने बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें और एक स्वास्थ्य व सुरक्षित भविष्य की दिशा में योगदान दें।

<><><><><><><>

मीठे पानी के मछली बीज संयंत्र, नयागांव ने भारतीय मेजर कार्प (आई.एम.सी) के मीठे पानी के मछली बीज का उत्पादन किया है और दक्षिण अंडमान जिले के अंतर्गत हम्फ्रीगंज और वन्डूर ग्राम पंचायत के इच्छुक मछली किसानों के बीज वितरण के लिए तैयार हो चुके हैं। मत्स्य पालक एक अगस्त सुबह नौ बजे से हम्फ्रीगंज और पांच अगस्त से वन्डूर ग्रामपंचायत कार्यालय से मछली बीज प्राप्त कर सकते हैं। फ्राई आकार के मछली बीज के प्रत्येक ऑक्सीजनयुक्त पैकेट की कीमत एक सौ पैंतीस रुपये है।

<><><><><><><>